ओ. एस. अरुण

अकादेमी पुरस्कार: संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराएँ (सुगम संगीत)

O. S. ARUN

Akademi Award: Other Major Traditions of Music (Sugam Sangeet)

नई दिल्ली में 12 जुलाई 1965 को संगीतकारों के एक परिवार जन्मे, श्री ओ. एस. अरुण ने अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण अपने पिता श्री ओ. वी. सुब्रमण्यम से प्राप्त किया। बाद में, डॉ. एम. बालमुरली कृष्णा, श्री टी. आर. सुब्रमण्यम, श्रीमती राधा वेंकटचलम और श्री सतलपति बालू जैसे गुरुओं के सानिध्य में अपनी कला को निखारा। आप कर्नाटक संगीत के साथ–साथ भजन, फ्यूजन संगीत, संगीत रचना और पार्श्व गायन में भी समान रूप से निपुण हैं।

श्री ओ. एस. अरुण ने देश–विदेश में कर्नाटक संगीत पर कई कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया है। कई निजी विजुअल मीडिया चैनलों ने आपकी प्रस्तुतियों का दस्तावेजीकरण किया है। आप द्वारा गाये कर्नाटक शास्त्रीय संगीत और भजनों की कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं। आपने वंचितों, पुरानी बीमारियों और मानसिक बीमारियों से जूझ रहे व्यक्तियों के चिकित्सीय उपचार को सुनिश्चित करने में भी सक्रिय भूमिका अदा की है।

कर्नाटक संगीत में योगदान के लिए, विभिन्न प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा आपको उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें ब्रह्म गण सभा, चेन्नई द्वारा ब्रह्म गण सम्राट (2000); इयल इसई नाटक मनरम, तमिलनाडु सरकार द्वारा कलईमामणि (2006); तमिलनाडु गवर्नमेंट म्यूजिक कॉलेज, चेन्नई द्वारा कलई नेरई मामणि (2007); भारत कलाचर द्वारा गण कलाधर (2011); डॉ. एम. बाला मुरली कृष्णा, विपंची, चेन्नई द्वारा मधुर मुरली पुरस्कार (2012); और श्री जगद्गुरु शंकराचार्य महासमस्थानम दक्षिणमनय श्री शारदा पीठम, श्रृंगेरी द्वारा प्रदान की गई आस्थाना विद्वान की उपाधि प्रमुख हैं।

श्री ओ. एस. अरुण को सुगम संगीत में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 12 July 1965 at New Delhi in a family of musicians, Shri O.S. Arun received his initial training from his father Shri O.V. Subramaniam and later groomed his art under the tutelage of Dr M. Balamurali Krishna, Shri T.R. Subramaniam, Shrimati Radha Venkatachalam and Shri Sathalapathy Balu. He is equally adept in singing Carnatic music as well as bhajans, fusion music, composing and playback singing.

Shri O.S. Arun has conducted many workshops and seminars on Carnatic music in India and abroad. Many private visual media channels have documented his repertoire. He has many recordings of Carnatic classical music and bhajans to his credit. He has played a pro-active role in ensuring the therapeutic healing of the underprivileged, those battling with chronic diseases, and individuals struggling with mental illness.

For his contribution to Carnatic music, he has received many titles and awards from various prestigious cultural institutions. These include the Brahma Gana Samrat by Brahma Gana Sabha, Chennai (2000); the Kalaimamani conferred by the Eyal Isai Nataka Manaram, Government of Tamil Nadu (2006); the Kalai Nerai Mamani bestowed by the Tamil Nadu Government Music College, Chennai (2007); the Gana Kaladhar given by Bharat Kalachar (2011); the Madhura Murali Puraskar by Dr M. Balamurali Krishna, Vipanchee, Chennai (2012); the title of Asthana Vidwan conferred by the Sri Jagadguru Shankaracharya Mahasamasthanam Dakshinamanaya Sri Sharada Peetham, Sringeri (2017).

Shri O.S. Arun receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for his contribution to Sugam Sangeet.